www.CentumSure.com

SET-2

Series RLH

कोड नं.
Code No. **4/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

किस भाँति जीना चाहिए किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से याद करना चाहिए ।
पद-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए,
निज पूर्व-गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए,
आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के ।
क्या सांप्रदायिक भेद से है, ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो ।।
प्राचीन हो कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी,
प्राचीन बातें ही भली हैं, यह विचार अलीक है
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है,
मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा ।
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,
निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो ।।

(क) हमें पूर्वजों से क्या-क्या सीखना चाहिए ?

(ख) विविध सुमनों की एक माला से कवि क्या समझाना चाहता है ?

(ग) कविता में हंस के उदाहरण के द्वारा कवि क्या प्रतिपादित करना चाहता है ?

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए – "मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा" ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×6=12*

मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी सिद्धि अपने अहं के सम्पूर्ण त्याग में है । जहाँ वह शुद्ध समर्पण के उदात्त भाव से प्रेरित होकर अपने 'स्व' का त्याग करने को प्रस्तुत होता है वहीं उसके व्यक्तित्व की महानता परिलक्षित होती है । साहित्यानुरागी जब उच्च साहित्य का रसास्वादन करते समय स्वयं की सत्ता को भुला कर पात्रों के मनोभावों के साथ एकत्व स्थापित कर लेता है तभी उसे साहित्यानन्द की दुर्लभ मुक्तामणि प्राप्त होती है । भक्त जब अपने आराध्य देव के चरणों में अपने 'आप' को अर्पित कर देता है और पूर्णतः प्रभु की इच्छा में अपनी इच्छा को लय कर देता है तभी उसे प्रभु-भक्ति की अलभ्य पूँजी मिलती है । यह विचित्र विरोधाभास है कि कुछ और प्राप्त करने के लिए स्वयं को भूल जाना ही एकमात्र सरल और सुनिश्चित उपाय है । यह अत्यन्त सरल दिखने वाला उपाय अत्यन्त कठिन भी है । भौतिक जगत में अपनी क्षुद्रता को समझते हुए भी मानव-हृदय अपने अस्तित्व के झूठे अहंकार में डूबा रहता है उसका त्याग कर पाना उसकी सबसे कठिन परीक्षा है । किन्तु यही उसके व्यक्तित्व की चरम उपलब्धि भी है । दूसरे का निःस्वार्थ प्रेम प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छा-आकांक्षाओं और लाभ-हानि को भूल कर उसके प्रति सर्वस्व समर्पण ही एकमात्र माध्यम है । इस प्राप्ति का अनिवर्चनीय सुख वही चख सकता है जिसने स्वयं को देना-लुटाना जाना हो । इस सर्वस्व समर्पण से उपजी नैतिक और चारित्रिक दृढ़ता, अपूर्व समृद्धि और परमानन्द का सुख वह अनुरागी चित्त ही समझ सकता है जो –

'ज्यों-ज्यों बूड़े श्याम रंग, त्यों-त्यों उज्ज्वल होय'

(क) मनुष्य जीवन की महानता किसमें है ? लेखक ऐसा क्यों मानता है ?

(ख) 'साहित्यानुरागी' से क्या तात्पर्य है ? उसे आनंद किस प्रकार प्राप्त होता है ?

(ग) प्रभु-भक्ति की पूँजी कैसी बताई गई है और भक्त उसे कब प्राप्त कर सकता है ?

(घ) मनुष्य के व्यक्तित्व की चरम उपलब्धि क्या है और क्यों ?

(ङ) 'विचित्र विरोधाभास' किसे माना गया है और क्यों ?

(च) 'सर्वस्व समर्पण' का क्या तात्पर्य है और ऐसा करने के क्या लाभ हैं ?

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

खण्ड ख

3. शब्द और पद में क्या अंतर है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए । *1+1=2*

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×3=3*

(क) सरला ने कहा कि वह कक्षा में प्रथम रही । (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) लोकप्रियता के कारण उसका ज़ोरदार स्वागत हुआ । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) वे बाज़ार गए और सब्ज़ी ले आए । (सरल वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

कन्यादान, दाल-भात ।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

काली जो मिर्च, चंद्र की कला ।

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : *1×4=4*

(क) हम तो पहले ही कहे थे ।

(ख) अपन को कौन जानता है ?

(ग) मेरे को वहाँ नहीं जाना ।

(घ) कल रात उनका प्राण निकल गया ।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : *1+1=2*

अपना उल्लू सीधा करना, झंडे गाड़ना ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

खण्ड ग

8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2+1=5*

यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं । पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है । पहले बड़े-बड़े दालानों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है ।

(क) किस हिस्सेदारी में मानव ने दीवारें खड़ी कर दी हैं और कैसे ?

(ख) पूरा संसार अब कैसा हो गया है और क्यों ?

(ग) 'छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों' कथन का क्या आशय है ?

9. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि ने किन गुणों को अपनाने का संकेत दिया है ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए । *5*

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों ?

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाहती है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) ग्रीष्म ऋतु में संसार तपोवन-सा कैसे हो जाता है ? बिहारी के 'दोहे' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

11. 'गिरगिट' कहानी समाज में व्याप्त चाटुकारिता पर करारा व्यंग्य है – इसे पाठ के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए । *5*

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) शुद्ध-सोना और गिन्नी का सोना अलग-अलग कैसे है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'गिरगिट' पाठ में येल्दीरिन ने ख्यूक्रिन को उसके दोषी होने के क्या कारण बताए ?

(ग) शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए ? इससे उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है ? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

13. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया । एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा ? उसकी भावनात्मक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आपके विचार से क्या परिवर्तन होने चाहिए ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए । *5*

खण्ड घ

14. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी ***एक*** विषय पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) हमारा देश

- भौगोलिक विस्तार
- समाज और संस्कृति
- आज का बदलता रूप

(ख) श्रम का महत्त्व

- श्रम और मानव जीवन
- लाभ
- सुझाव

(ग) भारत की बढ़ती जनसंख्या

- देश की प्रगति और जनसंख्या
- हानियाँ
- सुझाव

15. विश्व पुस्तक मेले में 'गांधी दर्शन' से संबंधित स्टाल में गांधी-साहित्य के प्रचार के लिए कुछ युवक-युवतियों की आवश्यकता है । आप अपनी योग्यताओं और रुचियों का विवरण देते हुए 'गांधी-स्मृति' संस्था के अध्यक्ष को आवेदन-पत्र लिखिए । *5*

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

16. आपके विद्यालय में एक कवि-सम्मेलन का आयोजन किया जाने वाला है । अपने क्षेत्र के लोगों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए लगभग 30 शब्दों में एक सूचना प्रस्तुत कीजिए । *5*

17. यातायात-नियमों के पालन के संबंध में मित्र से हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए । *5*

18. पिताजी की पुरानी मोटर साइकिल की बिक्री के लिए उसकी दशा, माइलेज आदि का उल्लेख करते हुए लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख लिखिए । *5*

www.CentumSure.com